मासिक समाचार पत्र

परिसर

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय,मेरठ

नवंबर
2025

छह दिसंबर को अंबेडकर महापरिनिर्वाण दिवस पर परिसर स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करतीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला।

तिलक पत्रकारिता स्कूल की चार वर्षीय प्रगति रिपोर्ट जारी

तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल की प्रगति रिपोर्ट बुकलेट का विमोचन करतीं (ऊपर) कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ल। साथ में हैं विश्वविद्यालय के अधिकारी और तिलक स्कूल के निदेशक प्रशांत कुमार व शिक्षकगण। कार्यवाहक कुलपति प्रोफेसर हरे कृष्णा (दाएं ऊपर) और अकादमिक निदेशक प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा (दाएं नीचे) को बुकलेट भेंट करते प्रोफेसर प्रशांत कुमार और अन्य शिक्षकगण।

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय स्थित तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल की चार वर्षीय प्रगति रिपोर्ट बुकलेट का विमोचन कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला द्वारा किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. प्रशांत कुमार द्वारा तैयार इस रिपोर्ट में पिछले चार वर्षों में विभाग द्वारा प्राप्त उपलब्धियों, शैक्षणिक गुणवत्ता, रोजगार, अनुसंधान और राष्ट्रीय रैंकिंग का विस्तृत उल्लेख है।

कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने कहा कि तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है और विश्वविद्यालय का फेस होने के नाते यह विभाग के अपने दायित्व को बखूबी निभा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार रैंकिंग में विभाग को उत्तर प्रदेश में प्रथम और देश में चौथा स्थान प्राप्त हुआ है। इसी अवधि में 11 विद्यार्थियों ने नेट–जेआरएफ उत्तीर्ण किया और 3 ने पीएचडी की उपाधि हासिल की।

विभाग को आईसीएसएसआर का एक मेजर प्रोजेक्ट तथा एक यूनिवर्सिटी रिसर्च प्रोजेक्ट भी मिला। विभाग ने माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल और मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया के साथ महत्वपूर्ण एमओयू साइन किए। शैक्षणिक उपलब्धियों में 6 सम्मान, 2 पेटेंट, 21 शोधपत्र तथा 6 पुस्तकें शामिल हैं। चार वर्षों में 52 राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सेमिनार, वर्कशॉप और विशेष व्याख्यान हुए, जबकि 139 विद्यार्थियों को रोजगार मिला। कार्यक्रम में शोध निदेशक प्रो. वीरपाल सिंह, डीन एजुकेशन प्रो. राकेश शर्मा आदि मौजूद रहे।

सीसीएसयू के युवाओं की ऊंची उड़ान

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में महिला शूटिंग और कुश्ती में स्वर्ण

स्वर्ण पदक विजेता सीसीएसयू की महिला निशानेबाजी की टीम।

परिसर संवाददाता

मेरठ। राजस्थान में आयोजित खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के पांचवें सीजन में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की निशानेबाजी बेटियों ने कमाल का प्रदर्शन किया है। महिला वर्ग की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में विश्वविद्यालय की टीम ने स्वर्ण पदक पर सटीक निशाना साधा है। विश्वविद्यालय की महिला टीम में शामिल निशानेबाज वंशिका चौधरी, अक्षिता और सिमरन माथुर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 1,686 अंक अर्जित कर स्वर्णित बेटियां बन गई।

छह राउंड की शूटिंग में मेरठ टीम ने 278, 283, 277, 280, 284 और 284 स्कोर लेकर 1,686 अंक अर्जित किए।

पुरुष फ्री–स्टाइल के 70 किलो भार वर्ग में चौधरी चरण विश्वविद्यालय से शिक्षा ग्रहण कर रहे पहलवान अनुज ने स्वर्ण पदक जीता है। अनुज कुमार ने एसडीएसएसयू के पहलवान सागर को हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। रेसलर अंजली ने अपने 55 किलोग्राम भारवर्ग में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया था।

वहीं जूडो में 52 किलो भार वर्ग में मानवी, 63 किलो भार वर्ग में मेधा शर्मा और 73 किलो भार में अमित कुमार ने कांस्य पदक जीता है।

छात्रों का शोध अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित

परिसर संवाददाता

मेरठ। शिक्षा, शोध और नवाचार, तीनों क्षेत्रों में बढ़ती चौधरी सिंह विश्वविद्यालय (सीसीएसयू) की प्रतिष्ठा में एक और उपलब्धि जुड़ गई है। विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग ने शोध और नवाचार की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा की लैब में कार्यरत एमएससी फिजिक्स द्वितीय वर्ष की छात्रा सिमरन वर्मा और छात्र अभय सिंह राणा ने अपना 51 पेज का उच्च–गुणवत्ता वाला रिव्यू आर्टिकल विश्व–प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय जर्नल *केमिस्ट्री : एन एशियन जर्नल* में आनलाइन प्रकाशित कराया है।

इसमें सुपरवाइजर की भूमिका विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से एप्लाइड साइंस की वैज्ञानिक प्रीति ने निभाई है। इम्पैक्ट फैक्टर 3.9 वाला यह जर्नल जर्मनी के वाइली वीसीएच की ओर से प्रकाशित किया जाता है। दिसंबर 2025 में प्रकाशित यह शोध सीसीएसयू के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय में पहली बार है कि एमएससी के छात्रों ने प्रथम वर्ष के प्रोजेक्ट वर्क में ही अंतरराष्ट्रीय स्तर का शोध–रिव्यू आर्टिकल सफलता से प्रकाशित किया हो।

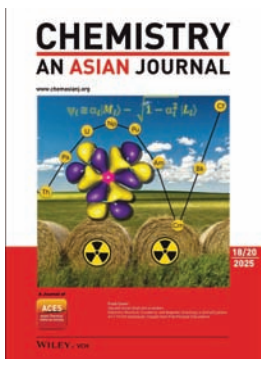

छात्रों द्वारा प्रकाशित यह रिव्यू आ. र्टिकल 'नैनोस्पान्ज एनएसपी' जैसे उभरते एडवांस्ड मैटीरियल पर केंद्रित है, जिसे आज की वैज्ञानिक दुनिया में ट्यूनेबल, पोरस और हाई सफेस–एरिया वाले स्मार्ट सामग्री के रूप में जाना जाता है।

ये नैनोस्पान्ज भविष्य में केमोसेंसर, बायोसेंसर, हेल्थकेयर एनवायरन मेंटल मोनिटरिंग, वियरेबल डिवाइस, आ. इओटी–इनेबल्ड प्लेटफार्म जैसे क्षेत्रों में एक नेक्स्ट जेनरेशन साल्यूशन साबित होंगे।

तीन क्रिकेटरों का भारतीय विवि टीम में चयन

मेरठ। ऑस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी क्रिकेट टीम के खिलाफ द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज के लिए भारतीय विश्वविद्यालय क्रिकेट टीम की घोषणा की गई। इसमें मेरठ के तीन खिलाड़ियों का चयन भारतीय टीम में किया गया है। गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी अमृतसर की ओर से जारी सूची में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के सलामी बल्लेबाज अभिषेक कुमार, ऑलराउंडर दिव्यांश राजपूत और मध्यम तेज गेंदबाज प्रदीप कुमार को शामिल किया गया है।

दिव्यांश राजपूत

दिव्यांश राजपूत भामाशाह पार्क में कोच संजय रस्तोगी से प्रशिक्षण ले रहे हैं। इससे पहले वह उत्तर प्रदेश टीम के सीनियर वर्ग, अंडर–19 और अंडर–16 आयु वर्ग में प्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। मध्यम तेज गेंदबाज प्रदीप गाजियाबाद के एचएलएम कॉलेज के छात्र हैं, सलामी बल्लेबाज अभिषेक कुमार बुलंदशहर स्थित एएस डिग्री कॉलेज लखावटी के छात्र हैं।

वैश्विक सम्मेलन में छाई नारियल के खोल से पल्प व पैकेजिंग विधि

परिसर संवाददाता

मेरठ। विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के शोध पोस्टर को वैश्विक स्तर की प्रदर्शनी में पुरस्कार मिला है। विभाग के प्रोफेसर आरके सोनी और उनके शोधार्थियों शिफा अल्ताफ, नेहा मित्तल और विशु शर्मा ने 17वीं इंटरनेशनल टेक्निकल कांफ्रेंस एंड एग्जिबिशन आन पल्प, पेपर एंड एलाइड इंडस्ट्रीज में हिस्सा लिया।

इस कांफ्रेंस में नेहा मित्तल ने प्लास्टिक वेस्ट से डाई तैयार की, जिसका उपयोग पेपर को रंगने के लिए किया जा सकता है। विशु शर्मा ने गन्ने की खोई से वैल्यू एडेड केमिकल एक्सट्रैक्ट करके उनका उपयोग पालीमर कंपोजिट्स बनाने के लिए किया जो प्रिंटेबल पेपर्स, पेपर पैकेजिंग और प्रोडक्ट्स पैकेजिंग में इस्तेमाल किया जा सकता है। शिफा अल्ताफ ने नारियल के खोल को मूल्यवर्धित कर उससे सेलुलोज निकालने और सीईओ 2 पर आधारित नैनीकम्पोजिट्स बनाने की एक पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया प्रस्तुत की, जिसका उपयोग उन्नत पल्प, पैकेजिंग और बायो–आधारित सामग्रियों में किया जा सकता है।

दिल्ली में आयोजित इंटरनेशनल कांफ्रेंस में शामिल शिफा अल्ताफ (बाएं से द्वितीय) व अन्य शोधार्थियों संग रसायन विभाग के प्रोफेसर आरके सैनी।

इस शोध को इसकी सस्टेनेबिलिटी, इनोवेशन और औद्योगिक उपयोगिता के लिए अत्यधिक सराहा गया और शिफा को पोस्टर प्रतियोगिता में द्वितीय उपविजेता घोषित किया गया। उन्हें 2,000 रुपये पुरस्कार मिला।

सभी प्रतिभागियों को 1,000 रुपये की सांत्वना धनराशि भी प्रदान की गई।

फ्रेशर पार्टी : धन सिंह कोतवाल सामुदायिक केंद्र में ललित कला विभाग की फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। बीएफए कोर्स में आयुषी और सार्थक को, तथा एमएफए में प्रभुति व लक्ष्य को क्रमशः मिस और मिस्टर फ्रेशर चुना गया।

स्व. अजय मित्तल के योगदान को किया नमन

तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में आयोजित हुईं दौड़, बैडमिंटन, क्रिकेट स्पर्धाएं

परिसर संवाददाता

मेरठ। सीसीएसयू के तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में पत्रकार, लेखक व वक्ता स्वर्गीय अजय मित्तल की प्रथम पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कूल के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता व श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि अजय मित्तल सरल, सहज और ज्ञान की गंगा थे। वे चलती–फिरती लाइब्रेरी थे। उनका व्यक्तित्व संगठन, सेवा और संस्कृति के प्रति समर्पण का प्रेरक उदाहरण था।

वक्ताओं ने उन्हें हजारों कार्यकर्ताओं के मार्गदर्शक, अभिभावक, सांगठनिक कौशल के धनी, कलम के सच्चे सिपाही, मिनी गूगल और एनसाइक्लोपीडिया के रूप में याद किया। उनका जन्म तीन फरवरी 1952 को मेरठ में हुआ था और उन्होंने एमएससी (भौतिकी) मेरठ कालेज से की थी। रामायण में भगवान राम की भूमिका निभाने वाले व वर्तमान सांसद अरुण गोविल उनके सहपाठी रहे। उन्होंने 'राष्ट्रदेव' पत्रिका के सम्पादक के रूप में अपनी सेवाएं दीं। साथ ही प्रज्ञा प्रवाह के क्षेत्र संयोजक के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अजय मित्तल की प्रथम पुण्यतिथि पर तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में दौड़, बैडमिंटन, क्रिकेट स्पर्धाएं हुईं। 400 मीटर दौड़ में दीक्षा धामा प्रथम और 800 मीटर दौड़ में प्रियांशु चौधरी प्रथम रहे। बैडमिंटन में गीत चावला ने दीक्षा धामा को हराया। क्रिकेट में एलुमनाई टीम जीती। अजय मित्तल की पत्नी जया मित्तल, पुत्र अपूर्व मित्तल व क्रीड़ा भारती के योग प्रमुख जगत सिंह दौसा ने प्रतिभागियों को सराहा। मितेंद्र कुमार व राकेश कुमार रेफरी रहे। मुख्य अतिथि डीजीसी क्राइम कृष्ण कुमार चौबे ने विजेताओं को सम्मानित किया। निदेशक प्रो. प्रशांत कुमार, डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, डॉ. दीपिका वर्मा, डॉ. बीनम यादव, लव कुमार, जगत सिंह दोसा, राजन कुमार आदि मौजूद रहे।

स्व. अजय मित्तल की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित दौड़ प्रतियोगिता के दौरान मुख्य अतिथि और प्रतिभागी (ऊपर), क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी मुख्य अतिथि के साथ (बीच में) और अजय मित्तल जी के चित्र पर पुष्पांजलि करने के बाद उनकी धर्म पत्नी और पुत्र।

बैडमिंटन प्रतियोगिती की विजेता गीत चावला।

छात्रों की दौड़ प्रतियोगिता प्रियांशु चौधरी ने जीती।

छात्राओं की दौड़ प्रतियोगिता में दीक्षा धामा आगे रहीं।

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर नमन

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

कुलपति कार्यालय स्थित समिति कक्ष में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यवाहक कुलपति प्रो. हरे कृष्णा ने की। प्रो. कृष्णकांत शर्मा ने बताया कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा है। कार्यक्रम में प्रो. मृदुल गुप्ता, प्रो. बीरपाल सिंह, प्रो. नीलू जैन गुप्ता, प्रो. विग्नेश त्यागी, डॉ. अलका तिवारी, डॉ. वैशाली पाटिल, डॉ. धर्मेंद्र कुमार, मीडिया सेल सदस्य मितेंद्र गुप्ता आदि मौजूद रहे।

संस्क्रेज में युवाओं ने दिखाई प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता

परिसर संवाददाता

मेरठ। राइटर्स वर्स का कार्यक्रम संस्क्रेज चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अटल सभागार में उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल तथा राजशा इस आयोजन के सहयोगी संस्थान रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं की प्रतिभा, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और नेतृत्व क्षमता को मंच प्रदान करना था।

कार्यक्रम में कैंट क्षेत्र के विधायक अमित अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत कला वाटिका स्कूल ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य से हुई। यूथ पार्लियामेंट सत्र ने पूरे सभागार का ध्यान आकर्षित किया। वक्तृत्व कला को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित बोलताल प्रतियोगिता में युवाओं ने सामाजिक, राष्ट्रीय और समकालीन मुद्दों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। सभी प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन प्रतिष्ठित निर्णायक मंडल डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, डॉ. बीनम यादव और डॉ. दीपिका वर्मा ने किया।

सर्वश्रेष्ठ वक्ता यशवर्धन प्रेमी रहे।

कार्यक्रम के दूसरे दिन मुख्य अतिथि तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के निदेशक डा. प्रशांत कुमार रहे। कार्यक्रम की शुरुआत तान्या डांस एंड म्यूजिक स्कूल के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक नृत्य से हुई। क्विज में हार्दिक सेठिया ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता ट्राफी जीती।

कविता प्रतियोगिता में प्रभगुन कौर प्रथम रहीं। राजशा द्वारा टेड टाक हुआ। निदेशक तिलक स्कूल डा. प्रशांत कुमार व संस्थापक ली बाकिका अंकिता चौधरी ने युवाओं को नवाचार, नेतृत्व और आत्मविश्वास का संदेश दिया। प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन लव कुमार सिंह, मोनिका व जितेन्द्र कुमार ने किया।

कार्यक्रम में नृत्य करने वाले बच्चों को पुरस्कृत करते तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार।

संरक्षक : प्रोफेसर संगीता शुक्ला (कुलपति), **मुख्य संपादक** : प्रोफेसर प्रशांत कुमार, **संपादकीय सलाहकार** : डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, डॉ. दीपिका वर्मा, डॉ. बीनम यादव, **संपादक** : लव कुमार सिंह, **संपादकीय टीम** : बीएजेएमसी और एमएजेएमसी के छात्र–छात्राएं।

गोष्ठी और चित्र प्रदर्शनी : इतिहास विभाग में स्वतंत्रता आंदोलन में मेरठ मंडल के योगदान पर गोष्ठी और चित्र प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि एमएलसी धर्मेंद्र भारद्वाज, विशिष्ट अतिथि कुलसचिव डॉ. अनिल यादव और मुख्य वक्ता इतिहासविद् डॉ. अमित पाठक रहे।

सीसीएसयू में महिला नेतृत्व वाला बैडमिंटन रैकेट निर्माण केंद्र शुरू

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में महिला स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) द्वारा संचालित बैडमिंटन रैकेट निर्माण उत्कृष्टता केंद्र शुरू हो गया। एचडीएफसी बैंक की सीएसआर पहल 'एचडीएफसी परिवर्तन' के तहत स्थापित यूनिट का नेतृत्व नुसरत पठान, विकास कुमार और उनकी टीम कर रही है। विवि का दावा है कि यह ऐसा देश का पहला संस्थान होगा।

कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बागपत सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने कहा कि यह खेल–आधारित आजीविका का अनोखा मॉडल बनेगा। कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने इसे विश्वविद्यालय के स्किल, स्पोर्ट्स और सोशल एंपावरमेंट विजन की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया।

दो–क्रेडिट का कौशल कोर्स जल्द

योजना के तहत परिसर में जल्द ही दो क्रेडिट का कौशल कोर्स शुरू किया जाएगा ताकि छात्र–छात्राएं भी इस तकनीक से जुड़ें।

प्रो. संगीता शुक्ला ने कहा कि राज्यमंत्री चौधरी जयंत सिंह के विजन के तहत यह पहल की गई है।

बैडमिंटन रैकेट निर्माण केंद्र का उद्घाटन करतीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला और बागपत के सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान (बाएं)। निर्माण केंद्र में मशीन का निरीक्षण करते सांसद। (दाएं)

50 से ज्यादा पौधे रोपे, पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में साप्ताहिक कार्यक्रम वीकेंड अभिव्यक्ति का आयोजन हुआ। छात्रों ने सम सामयिक मुद्दों पर भाषण प्रतियोगिता व क्विज में हिस्सा लिया। उसके इसके बाद परिसर में 50 से ज्यादा पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली गई। भाषण प्रतियोगिता में एसआईआर (मतदाता सूची रिवीजन), भारतीय संविधान, बिहार चुनाव और भारत में शादियां जैसे विषयों पर छात्र–छात्राओं ने तर्कपूर्ण व शोधपूर्ण विचार रखे। क्विज में प्रथम स्थान अब्दुल्ला हसन, प्रेरणा भारती व प्रियांशु चौधरी की टीम ने, जबकि द्वितीय स्थान कृष्णा भाटिया व सिद्धि ने हासिल किया।

तिलक पत्रकारिता स्कूल में पौधारोपण (दाएं) और वीकेंड अभिव्यक्ति कार्यक्रम का नजारा।

उर्दू विभाग में बर्ग ए आवारा का विमोचन

मेरठ। अदना इश्काबादी ने उर्दू गजल को उस लेवल पर ले जाने की कोशिश की, जहां सोच की एक नई दुनिया की संभावनाएं थीं। मुकर्रम साहब एक उस्ताद शायर थे, जिन्होंने सैकड़ों शायर बनाए। ये बातें प्रो. असलम जमशेदपुरी ने डॉ. मुकर्रम अदना इश्काबादी की याद में उनकी जयंती पर कही।

उर्दू विभाग में मुकर्रम साहब के काव्य संग्रह ''बर्ग ए–आवारा'' का विमोचन हुआ। इसके बाद मशहूर शायर वारिस वारसी ने नात और फरहत अख्तर ने अदना इश्काबादी की गजल पेश की। कार्यक्रम की अध्यक्षता मशहूर शायर असरार–उल–हक असरार ने ने की। मुख्य अतिथि शहर काजी डॉ. जैनुस सालिकीन सिद्दीकी व आदिल चौधरी रहे। प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस गाजी, मशहूर शायर शादान फलावदी और फैज महमूद विशिष्ट अतिथि रहे।

संगोष्ठी में छात्रों ने पेश किए 35 शोधपत्र

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के विधि अध्ययन संस्थान में 76वां संविधान दिवस धूमधाम से मनाया गया। भारतीय संविधान : न्याय, स्वतंत्रता और समानता के लिए एक दृष्टिकोण विषय पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. नीलू जैन गुप्ता, प्रो. केके शर्मा और डॉ. विवेक कुमार मौजूद रहे।

संगोष्ठी में वक्ताओं ने संविधान की प्रस्तावना, इसके ऐतिहासिक सफर, केशवानंद भारती, वेरूवारी, इंदिरा नेहरू गांधी व एसआर बोम्मई जैसे ऐतिहासिक केसों पर गहन चर्चा की।

प्रो. सत्य प्रकाश गर्ग ने संविधान सभा की समितियों का विस्तृत उल्लेख किया तो रमेश कुशवाहा ने अनुच्छेद 14, 19, 21, 51 ए व नए आपराधिक कानूनों पर छात्रों को अध्ययन के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं ने 35 शोध–पत्र प्रस्तुत किए।

अध्यक्षीय भाषण में प्रो. नीलू जैन गुप्ता ने मेरठ क्षेत्र के संविधान सभा सदस्य आचार्य जुगलकिशोर के अंतिम हस्ताक्षर होने की जानकारी दी और सभी विभागों के छात्रों को संविधान की जानकारी जरूरी बताया। डॉ. विवेक कुमार ने सभी को संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई ।

स्कूली छात्राओं को मीडिया की बारीकियां समझाईं

परिसर संवाददाता

मेरठ। शहीद मंगल पांडे राजकीय महिला पीजी कॉलेज की बीए प्रथम वर्ष स्किल डेवलपमेंट कोर्स की छात्राओं ने सीसीएसयू के तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में प्रायोगिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह प्रशिक्षण महाविद्यालय और विभाग के बीच हुए एमओयू के तहत आयोजित किया गया। कॉलेज प्राचार्य प्रो. अंजू सिंह के निर्देशन में ये आयोजित हुआ। शैक्षिक भ्रमण का नेतृत्व स्किल कोर्स की संयोजिका प्रो. मोनिका चौधरी ने किया।

छात्राओं को रेडियो स्टूडियो में प्रस्तुतीकरण, ऑडियो–वीडियो स्टूडियो संचालन, पुस्तकालय संसाधन, न्यूज पब्लिशिंग, फिल्म एवं थिएटर तकनीक, वीडियो एडिटिंग, टेली फिल्म निर्माण और सिनेमैटोग्राफी से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं। विभाग के डायरेक्टर प्रो. प्रशांत कुमार ने छात्राओं को कम्युनिकेशन स्किल, मीडिया इंडस्ट्री में उपलब्ध करियर अवसरों और लक्ष्य निर्धारण के महत्व पर विस्तृत सत्र दिया। डॉ. मनोज कुमार ने ऑडियो–वीडियो तकनीक की बारीकियों से अवगत कराया, जबकि डॉ. बीनम ने रेडियो प्रस्तुतीकरण और प्रसारण की कार्यप्रणाली समझाई। छात्राओं ने रेडियो स्टूडियो में अपना परिचय और अनुभव रिकॉर्ड कर प्रायोगिक कार्य का अनुभव भी प्राप्त किया। लव कुमार ने विभाग में संचालित विभिन्न कोर्सों और पर्सनैलिटी डेवलपमेंट एवं कम्युनिकेशन स्किल को बेहतर बनाने के उपायों पर जानकारी साझा की।

तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के भ्रमण पर आईं स्कूली छात्राएं।

कार्यक्रम के अंत में प्रो. मोनिका चौधरी ने विभाग के डायरेक्टर प्रो. प्रशांत कुमार सहित सभी फैकल्टी सदस्यों के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया। प्रशिक्षण में कुल 56 छात्राओं ने भाग लिया और सकारात्मक फीडबैक दिया।

जनसंचार स्कूल का शैक्षिक भ्रमण

किठौर के राजकीय इंटर कॉलेज के 70 से ज्यादा विद्यार्थियों ने तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल का शैक्षणिक भ्रमण किया। उन्होंने यहां जाना कि अखबार कैसे तैयार होता है। पहले रिपोर्टिंग, फिर एडिटिंग, पेज मेकअप, प्रूफ रीडिंग आदि के बारे में जाना। मीडिया लैब में विद्यार्थियों ने खुद कैमरा संभाला और स्टूडियो में न्यूज एंकर बने।

सीसीएसयू का भ्रमण

राजकीय कन्या इंटर कॉलेज सिसौली (मुजफ्फरनगर) की छात्राओं ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय का शैक्षणिक भ्रमण किया। सबसे पहले सेंट्रल ला. इब्रेरी पहुंचीं, जहां डिजिटल सिस्टम, ई–जर्नल्स और किताबों की खोज प्रणाली देखी। ललित कला विभाग में पेंटिंग, मूर्तिकला और कचरे से बनी कलाकृतियां सराहीं।

तिलक पत्रकारिता स्कूल में प्रिंट–इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की कार्यप्रणाली जानी। रेडियो स्टेशन और टीवी स्टूडियो में समाचार बनाने की प्रक्रिया देखी। अंत में कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला से मुलाकात की। कुलपति ने आत्मनिर्भर भारत और महिला शिक्षा पर जोर दिया और कहा कि विश्वविद्यालय सिर्फ डिग्री नहीं संवेदनशील दृष्टिकोण देता है।

13 छात्रों का चयन : सर छोटू राम अभियंत्रिकी व तकनीकी संस्थान में केपी रिलाएबल कंपनी की प्लेसमेंट ड्राइव में बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग के 13 छात्रों का क्वालिटी इंस्पेक्टर के लिए 2.40 से 3.12 लाख प्रति वर्ष के वेतन पर चयन किया गया।

भारतीय ज्ञान परंपरा में गहराई से निहित हैं एआई की जड़ें

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के तत्वावधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर हुई कार्यशाला

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अटल सभागार में गणित विभाग ने दो से छह दिसंबर तक पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का विषय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) दिल्ली के साथ मिलकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नए आयाम, साइबर सुरक्षा और अनुकरण रहा।

विवेकानंद भारत फाउंडेशन के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. शिव कुमार शर्मा ने कहा कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब सिर्फ मशीन नहीं रही, यह नैतिक निर्णय, रचनात्मकता और आम समझ तक में दखल देने लगी हैं, लेकिन खतरा यह है कि हम इसका इतना इस्तेमाल कर रहे हैं कि अपनी सोचने–समझने की शक्ति ही खोते जा रहे हैं। आईयूएसी दिल्ली के निदेशक प्रो. अविनाश चंद्र पांडेय ने रक्षा क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की क्रांतिकारी ताकत को सबके सामने रखा। इस दौरान देश विदेश के शीर्ष वैज्ञानिक, शोधकर्ता और सैकड़ों विद्यार्थी एक छत के नीचे जुटे और विषय पर अपने विचार रखे।

कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने कहा कि यह कार्यशाला मेरठ को विश्व स्तर पर तकनीकी नक्शे में ला रही है। हर विद्यार्थी और शोधकर्ता इसका पूरा लाभ उठाए। शोध निदेशक प्रो. बीरपाल सिंह ने बहु–विषयी शोध की जरूरत बताई तो अकादमिक निदेशक प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने नई शिक्षा में तकनीक की अनिवार्यता पर जोर दिया।

प्रो. सुजीत कुमार सिंह ने नासिक शहर के कचरा प्रबंधन में नई गणितीय तकनीक से सबको हैरान किया। प्रो. अपू कुमार साहा ने बताया कि सौर पैनल का कचरा कैसे दोबारा इस्तेमाल किया जाए ताकि पर्यावरण भी बचे और धातु भी। डॉ. नेहा यादव ने भौतिकी के सबसे जटिल समीकरणों को तंत्रिका जाल की मदद से इतने सरल तरीके से हल करने का रास्ता दिखाया कि सभागार तालियों से गूंज उठा।

अमेरिका से प्रो. आयुष उपाध्याय ने ऑनलाइन बताया कि बड़े साइबर आंकड़ों, त्वरित आक्रमण विवरण, निगरानी व्यवस्था तथा कोड की सूक्ष्म गड़बड़ियों की पहचान में वर्तमान भाषा अधिगम मॉडल अत्यधिक उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं। रक्षा अनुसन्धान एवं विकास संगठन, नयी दिल्ली के वैज्ञानिक डॉ. मोहम्मद यूसुफ अंसारी ने इंटरनेट आधारित प्रपत्रों पर होने वाले आक्रमणों का विस्तृत वर्णन किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. अजय कुमार ने रक्षा प्रौद्योगिकी में हो रहे तीव्र विकास पर विचार व्यक्त किए। मुख्य वक्ता प्रो. जेसी बंसल ने संगणनात्मक बुद्धिमत्ता के व्यापक उपयोग पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि डॉ. केपी सिंह ने वैश्विक तकनीकी मंच पर भारत की उभरती भूमिका का उल्लेख किया तथा युवाओं से अनुसंधान में अग्रसर रहने का आह्वान किया।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय दिल्ली के कुलसचिव प्रो. पवन कुमार शर्मा ने कहा, एआई पाणिनी के अष्टाध्यायी पर आधारित है और वह हमें पढ़ाया ही नहीं जाता है। एआई आज का नवाचार अवश्य है, पर उसकी जड़ें भारतीय ज्ञान परंपरा में गहराई से निहित हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता शून्य में जन्मी तकनीक नहीं, बल्कि मानव मस्तिष्क की प्रतिकृति है। जितनी उसे प्रोग्रामिंग दी जाएगी, वही उसकी क्षमता का आधार बनेगी। प्रो. पवन ने प्राचीन ग्रंथों से उदाहरण देते हुए कहा कि भगवान सूर्य की पत्नी संज्ञा एआइ की पहली प्रोफेसर थी। उन्होंने सूर्यदेव से घर जाने की अनुमति न मिलने पर अपने समान 'छाया' का निर्माण किया था। उनकी अनुपस्थिति में उसी छाया रूप्पी संज्ञा से शनि देव का जन्म हुआ, जो दुनिया का पहला ऐसा उदाहरण है। उन्हें वर्षों संघर्ष के बाद देवरूप में स्वीकृति मिली। उन्होंने कहा कि यह वैसा ही है जैसे आज एआइ सिस्टम अपने आधार माडल से नए रूपों, संरचनाओं और आचरणों को प्रतिकृति तैयार करता है। जैसे प्रोग्रामिंग की सीमाएं मशीन को नियंत्रित करती हैं, वैसे ही लक्ष्मण रेखा एक सुरक्षा कोड की भांति थी। प्रो. शर्मा ने कहा, संस्कृत ग्रंथों में सूत्र रूप में उपलब्ध ज्ञान को यदि शोधपूर्वक पढ़ा जाए तो एआइ के कई सिद्धांत वहीं से प्राप्त किए जा सकते हैं।

प्रो. शमी ने कहा, एआई से घबराने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि यह मनुष्य द्वारा निर्मित, संचालित और नियंत्रित तकनीक है। भारतीय शास्त्रों में ईश्वर को मायापति' कहा गया है... जिसका अर्थ है माया पर नियंत्रण रखने वाला। एआइ भी ऐसी ही रचना है जिसे समझकर, दिशा देकर, नियंत्रित किया जा सकता है। ऋग्वेद में पृथ्वी के सूर्य की परिक्रमा करने का उल्लेख, सूर्य की गति का वर्णन और ब्लैक और व्हाइट होल जैसे सिद्धांतों के संकेत मौजूद हैं।

प्रो. अरविंद यादव ने कहा, डिजिटल संचार में सुरक्षा की पहली और सबसे मजबूत दीवार सांकेतिकी ही है। बढ़ते हुए साइबर खतरों और परम संगणन तकनीक के आगमन पर उन्होंने विशेष चिंता जताई। साथ ही भविष्य की सांकेतिक प्रणालियों को बनाने की अधिक सक्षम आवश्यकता भी बताई। रक्षा अनुसंधान संस्थान के विज्ञानी डा. संजय कुमार ने प्रत्यावर्ती डेटा छिपाने की आधुनिक तकनीक को समझाया।

संयुक्त अरब अमीरात से आए प्रो. संजय कुमार त्यागी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता को शोध का सहयात्री बताते हुए कहा कि अब यह तकनीक केवल निर्देशों पर चलने वाली मशीन नहीं, बल्कि वैज्ञानिक खोजों को गति देने वाला साझेदार बन चुकी है।

गणित विभागाध्यक्ष व कार्यक्रम संयोजक प्रो. मुकेश कुमार शर्मा ने कहा, कि हमारा लक्ष्य है कि शोधार्थियों और विद्यार्थियों को उन उन्नत प्रौद्योगिकियों का ज्ञान दिया जाए जो देश की साइबर सुरक्षा, रक्षा और वैज्ञानिक विकास में निर्णायक भूमिका निभाएंगी। यह कार्यशाला केवल ज्ञान का आदान–प्रदान नहीं, बल्कि शोध में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एआई पर हुई कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मंच पर मौजूद कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला, विषय विशेषज्ञ और गणमान्य अतिथिगण।

राजनीति सत्ता पाने का माध्यम नहीं सेवा का साधन है

परिसर संवाददाता

मेरठ। साहित्यिक–सांस्कृतिक परिषद एवं चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय के तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को विश्वविद्यालय सभागार में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन मूल्य एवं योगदान पर आधारित वृत्तचित्र (डाक्यूमेंट्री फिल्म) का प्रदर्शन किया गया। अटल जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में हुए कार्यक्रम में प्रोफेसर एवं शोध छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

साहित्यिक–सांस्कृतिक परिषद के समन्वयक प्रोफेसर कृष्णकांत शर्मा ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के ऐसे आदर्श पुरुष थे जिन्होंने सिद्धांतों को सर्वोपरि रखा। सत्ता में रहते हुए भी उन्होंने दल और देश के बीच कभी भेद नहीं किया। उनके लिए राष्ट्रहित सर्वोच्च था। उनके भाषणों में जितनी मधुरता थी, उनके आचरण में उतनी ही सादगी और दृढ़ता झलकती थी।

वीनस शर्मा ने कहा कि अटल जी ने राजनीति में सौहार्द्र, सहिष्णुता और संवाद की संस्कृति को जीवंत किया। वे विरोधियों के प्रति भी सम्मान का भाव

तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन पर वृत्तचित्र का प्रदर्शन

रखते थे। स्त्री सम्मान, शिक्षा और राष्ट्रीय एकता के मुद्दों को सदैव प्राथमिकता दी। जगत सिंह दोसा ने कहा कि उन्होंने विपक्ष में रहकर भी राजनीति की गरिमा को बनाए रखा। उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए कि राजनीति केवल सत्ता पाने का माध्यम नहीं, बल्कि सेवा का साधन है।

प्रो. प्रशांत कुमार ने कहा कि उन्होंने भारत की सांस्कृतिक आत्मा को विश्व पटल पर स्थापित किया।

ब्लू कार्ड से लाइब्रेरी में 14 घंटे तैयारी करें छात्र

परिसर संवाददाता

मेरठ। विश्वविद्यालय की सेंट्रल लाइब्रेरी का लाभ विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटे आम प्रतिभागी भी उठा सकते हैं। उन्हें केवल परीक्षा के अंतिम वर्ष उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करते हुए निर्धारित प्रक्रिया पूरी करनी होगी। जांच के बाद विवि ब्लू कार्ड जारी करेगा और मात्र तीन सौ रुपये महीना देने होंगे। कार्ड के बाद छात्र सुबह आठ बजे से रात 10 बजे तक लाइब्रेरी में बैठकर अध्ययन कर सकते हैं।

लाइब्रेरियन प्रो. जमाल अहमद सिद्दीकी के अनुसार लाइब्रेरी में पांच सौ प्रतियोगी परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था है। जो छात्र कैंपस या कॉलेजों में पंजीकृत नहीं हैं और वे इस केंद्र में तैयारी करना चाहते हैं तो उन्हें आधार कार्ड, फोटो और अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण करने की मार्कशीट सहित आवेदन देना होगा। फीस कैंपस स्थित बैंक शाखा में जमा करनी होगी।

वैदिक समाज में कर्तव्य का द्योतक था धर्म

परिसर संवाददाता

मेरठ। विधि अध्ययन संस्थान में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर 'मानवाधिकार और भारतीय ज्ञान प्रणाली : आधुनिक संदर्भ में अंतरदृष्टि' विषय पर आयोजित सेमिनार में अकादमिक निदेशक प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि संसार में भारत ही सबसे पुरानी संस्कृति और परंपरा है। आज के युग में गीता का उपदेश किस नक्षत्र में हुआ इस पर शोध चल रहा है। भारत समृद्ध समाज था और यहां अहिंसा क्रूरता की जगह नहीं थी। यहां शस्त्र नहीं शास्त्रार्थ की परंपरा थी, जिससे देश पर बाहरी ताकतों ने प्रहार किया।

उन्होंने कहा की वैदिक समाज धर्म आधारित समाज था जहां सभी को कर्तव्यों का भान रहता था। कहा कि धर्म का अभिप्राय पूजा पद्धति से नहीं है। धर्म यहां कर्तव्य का द्योतक है। भारतीय परंपरा में मानव अधिकारों की संकल्पना केवल कर्तव्यबोध से पूरी की जा सकती है। भारतीय समाज में मानव अधिकारों की अवधारणा पाश्चात्य विचारधारा से विपरीत है। यहां पाश्चात्य विचारधारा को निजी व्यक्ति से जोड़कर देखा गया है जबकि भारतीय संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम् की परंपरा का पालन करती है।

कार्यक्रम संयोजक आशीष कौशिक ने कहा कि भारत मानवीय गरिमा व समानता का जनक है। भारतीय परंपरा धर्म व सदाचार पर जोर देती है। संस्थान के समन्वयक विवेक कुमार ने कहा कि भारत की प्राचीन परंपरा 'सर्वे स्व–स्व ग्रहे राजा' के अनुसार राजा को भी बिना अनुमति किसी के घर जाने का अधिकार नहीं है। भारत प्राचीनतम जीवित सभ्यता है जिसमें सांस्कृतिक निरंतरता है। इस क्रम में चीन द्वितीय और ग्रीस तृतीय स्थान पर है।

डीएलएसए के सचिव रमेश कुश्वाहा ने कहा कि अधिकारों और कर्तव्यों को समान महत्व देना चाहिए। इतिहास विभागाध्यक्ष प्रोफेसर केके शर्मा ने कहा कि अधिकार जैसा शब्द हमारे ग्रंथों में नहीं मिलता क्योंकि यह आधुनिक युग से सम्बंधित है। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति दूसरे के अधिकारों का उल्लंघन नहीं करता तो वह स्वतः ही अधिकारों को सुरक्षित करता है।